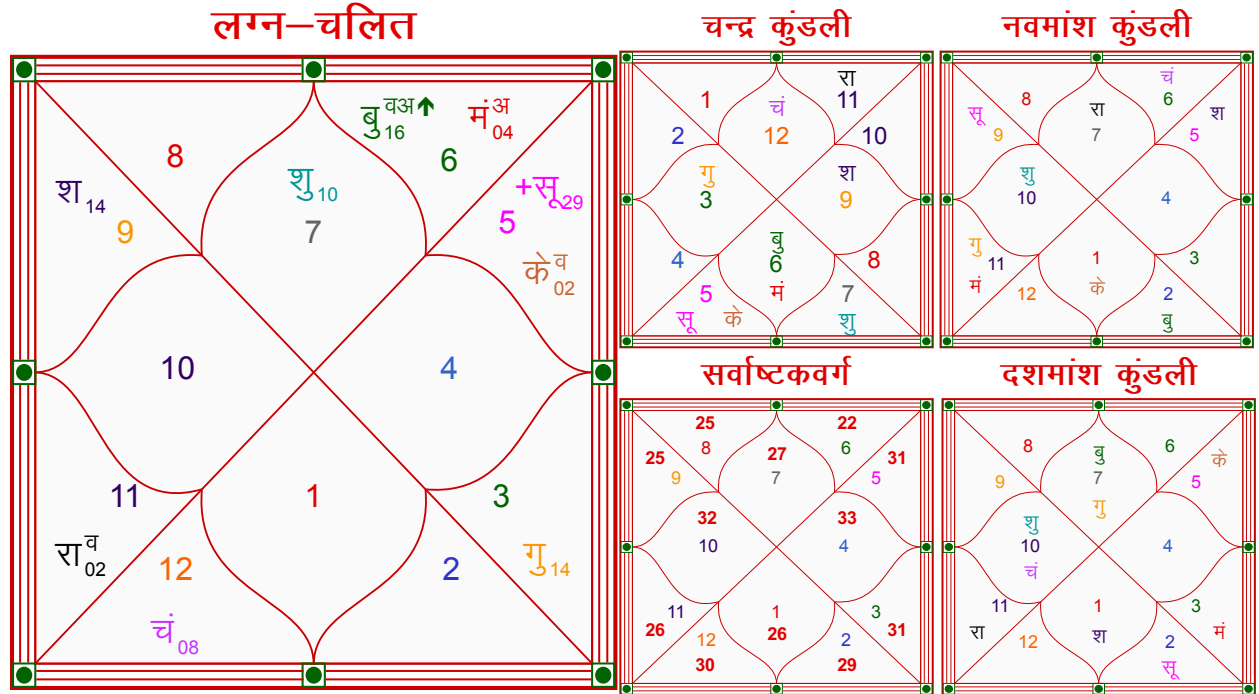


Kumari Vijeta

तिथि 16/09/1989 समय 08:02:00 वार शनिवार स्थान Bihar Sharif चित्रपक्षीय अयनांश : 23:42:58
अक्षांश 25:07:00 उत्तर रेखांश 85:25:00 पूर्व मध्य रेखांश 82:30:00 पूर्व स्थानिक संस्कार 00:11:40 घंटे

पंचांग	अवकहड़ा चक्र	विंशोत्तरी	योगिनी
साम्पातिक काल : 07:53:46 घं	गण : मनुष्य	शनि 12वर्ष 2मा 12दि	भद्रिका 3वर्ष 2मा 16दि
वेलान्तर : 00:05:03 घं	योनि : गौ	शुक्र	भद्रिका
सूर्योदय : 05:34:39 घं	नाडी : मध्य	29/11/2025	02/12/2023
सूर्यास्त : 17:51:24 घं	वर्ण : विप्र	29/11/2045	02/12/2028
चैत्रादि संवत : 2046	वश्य : जलचर	शुक्र 30/03/2029	भद्रिका 12/08/2024
शक संवत : 1911	वर्ग : सर्प	सूर्य 30/03/2030	उल्का 12/06/2025
मास : आश्विन	युँजा : अन्त्य	चन्द्र 29/11/2031	सिद्धा 03/06/2026
पक्ष : कृष्ण	हंसक : जल	मंगल 28/01/2033	संकटा 13/07/2027
तिथि : 1	जन्म नामाक्षर : थ-थाकोरी	राहु 29/01/2036	मंगला 02/09/2027
नक्षत्र : उ०भाद्रपद	पाया(रा.-न.) : स्वर्ण-लौह	गुरु 29/09/2038	पिंगला 13/12/2027
योग : गण्ड	होरा : मंगल	शनि 29/11/2041	धान्या 13/05/2028
करण : कौलव	चौघड़िया : शुभ	बुध 28/09/2044	भ्रामरी 02/12/2028
		केतु 29/11/2045	

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			01:54:11	तुला	चित्रा	3	मंगल	केतु	—	0:00			
सूर्य			29:29:46	सिंह	उ०फाल्गुनी	1	सूर्य	राहु	स्वराशि	1.48	आत्मा	पितृ	प्रत्यारि
चंद्र			08:06:14	मीन	उ०भाद्रपद	2	शनि	केतु	सम राशि	1.05	ज्ञाति	मातृ	जन्म
मंगल	अ		04:01:17	कन्या	उ०फाल्गुनी	3	सूर्य	शनि	शत्रु राशि	1.08	कलत्र	भ्रातृ	प्रत्यारि
बुध	व	अ	15:52:02	कन्या	हस्त	2	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण	1.34	अमात्य	ज्ञाति	साधक
गुरु			14:18:05	मिथु	आर्द्रा	3	राहु	बुध	शत्रु राशि	1.26	भ्रातृ	धन	मित्र
शुक्र			10:27:46	तुला	स्वाति	2	राहु	शनि	मूलत्रिकोण	1.34	पुत्र	कलत्र	मित्र
शनि			13:36:14	धनु	पूर्वाषाढा	1	शुक्र	शुक्र	सम राशि	1.10	मातृ	आयु	क्षेम
राहु	व		01:55:37	कुंभ	धनिष्ठा	3	मंगल	केतु	मित्र राशि	—	—	ज्ञान	वध
केतु	व		01:55:37	सिंह	मघा	1	केतु	शुक्र	शत्रु राशि	—	—	मोक्ष	विपत



Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

योग

राजकुलोत्पन्न राजयोग

स्वोच्चत्रिकोणगृहगैर्बलसंयुतैश्च
त्रयाद्यैर्नृपो भवति भूपतिवंशजातः ।

॥ सारावली ॥ अ. 35 / श्लोक 2 ॥

यदि जन्म के समय में तीन या उससे अधिक ग्रह अपने उच्च में, मूलत्रिकोण तथा स्वराशि में स्थित हों तो ऐसा व्यक्ति राजकुल में उत्पन्न होकर राजा होता है।

योग कारक ग्रह : सूर्य, बुध, शुक्र

योग की संभावना : 27 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्णरूप से घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपको समाज में श्रेष्ठ मान प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। अपने परिवार या कुल में आप श्रेष्ठ तथा प्रभावशाली माने जाएंगे। अपने पारिवारिक प्रतिष्ठा की वृद्धि करेंगे। आप सफल होंगे।

चक्रवर्ती राजयोग

एकोऽपि विहगः कुर्यात्पंचमांशगतो नृपम् ।
समस्तबलसम्पन्नश्चक्रवर्तिनमेव च ॥

॥ सारावली ॥ अ. 35 / श्लोक 64 ॥

यदि कोई भी ग्रह कुण्डली में अपने पंचमांश में स्थित हो तो जातक राजा होता है और यदि पूर्णबली हो तो चक्रवर्ती राजा होता है।

योग कारक ग्रह : शनि

योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण प्रतिष्ठित हो रहा है। फलस्वरूप आप एक प्रसिद्ध सम्मानित देश-विदेशों में प्रतिष्ठा प्राप्त करने वाले राष्ट्राध्यक्ष/राज्याध्यक्ष अथवा सर्वोच्चाधिकारी होकर पूर्ण राज-सुख प्राप्त करेंगे।

विमलयोग

दुःस्थैर्भावगृहेश्वरैरशुभसंयुक्तेक्षितैर्वा क्रमाद्भावैः विमलयोगः ।
किञ्चिद्व्ययो भूरिधनाभिवृद्धिं प्रयात्ययं सर्वजनानुकूल्यम् ।
सुखी स्वतन्त्रो महनीयवृत्तिर्गुणैः प्रतीतो विमलोद्भवः स्यात् ॥

॥ फलदीपिका ॥ अ. 6 ॥ श्लोक 57, 69

जिसकी जन्मपत्रिका में द्वादशेष दुःस्थान में स्थित और अशुभ ग्रह युक्त या निरीक्षित

Kumari Vijeta

हो तो विमल योग बनता है।

योग कारक ग्रह : मंगल,शनि,बुध

योग की संभावना : 8 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग अच्छी प्रकार से स्थापित हो रहा है। फलस्वरूप आप मितव्ययी, धन संचय करने वाले, सुखी, स्वतंत्र, सद्गुणी, अच्छे कार्यकर्ता एवं समदर्शी व्यक्ति होंगे।

भ्रातृवृद्धि योग

भ्रातृपे कारके वापि शुभयोगनिरीक्षिते ।

भावे वा बलसंपूर्णे भ्रातृणां वर्धनं भवेत् ॥

॥ सर्वार्थचिन्तामणि ॥ अ.4/श्लो. -16

यदि जन्मपत्रिका में तृतीय स्थान तथा तृतीय भाव कारक शुभग्रहों से युक्त या दृष्ट हो एवं पूर्णबली हो तो भाइयों की वृद्धि होती है।

योग कारक ग्रह : चंद्र,बुध,गुरु,मंगल

योग की संभावना : 8 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपके भाइयों में वृद्धि हो, ऐसा प्रतीत होता है।

धीर पुरुष योग

जीवान्विते धीरतया समेतः सर्वार्थशास्त्रार्थविशारदः स्यात् ॥

॥ सर्वार्थचिन्तामणि ॥ अ.4/श्लो.-41 ।

यदि जन्मकुंडली में तृतीयेश गुरु से युक्त हो तो सब अर्थ एवं शास्त्रार्थ पारंगत होता है।

योग कारक ग्रह : गुरु

योग की संभावना : 12 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप विद्वान एवं धैर्यवान होंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

कंठरोग योग

पापे तृतीये गलरोगमत्र वदन्ति मांघादियुते विशेषात् ।

॥ सर्वार्थचिन्तामणि ॥ अ.4/श्लो.-47 ।

यदि जन्मपत्रिका में तीसरे भाव में पाप ग्रह हो विशेषतः मांघंशादि युक्त हो तो कंठरोग होता है।

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

3

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

Kumari Vijeta

योग कारक ग्रह : शनि

योग की संभावना : 3 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपको कंठ रोग होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

कर्णरोग योग

तृतीयनाथे पापान्विते पापनिरीक्षिते वा वदन्ति कर्णोद्वारोगमत्र ।

॥ सर्वार्थचिन्तामणि ॥ अ.4/श्लो.-49 ।

यदि जन्मपत्रिका में तृतीयेश पाप युक्त या दृष्ट हो तो कर्णरोग होता है।

योग कारक ग्रह : शनि, राहु, गुरु

योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्णरूप से घटित हो रहा है फलस्वरूप आपको कर्णरोग होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

मातृस्नेह योग

यदा लग्नसुखेशौ वा मित्रभूतौ परस्परम् ।

शुभेक्षितौ शुभैर्युक्तौ मातृस्नेहं विनिर्दिशेत् ॥

॥ सर्वार्थचिन्तामणि ॥ अ.4/श्लो.-148

यदि जन्मपत्रिका में लग्नेश चतुर्थेश परस्पर मित्र हों, शुभ ग्रहों से युक्त और दृष्ट हो तो माता का विशेष स्नेह प्राप्त होता है।

योग कारक ग्रह : शनि, शुक्र

योग की संभावना : 36 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपको अपनी माता का विशेष स्नेह प्राप्त हो ऐसा प्रतीत होता है।

दत्तकपुत्र प्राप्ति योग

मान्दं सुतर्क्षं यदि वाऽथबौधं

मान्द्यर्कपुत्रान्वितवीक्षितं चेत् दत्तात्मजः ॥

॥ फलदीपिका ॥ अ. 12/श्लो.-8 ॥

जन्मपत्रिका में यदि पंचम भाव पर मिथुन, कन्या, मकर या कुंभ राशि हो और शनि पंचम स्थान में स्थित हों या पंचम भाव पर मान्दिय शनि की दृष्टि हो तो दत्तक पुत्र प्राप्त होता है।

योग कारक ग्रह : शनि

योग की संभावना : 9 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपको पुत्र

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

4

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

Kumari Vijeta

गोद लेना पड़े, ऐसी संभावना है।

बहुपुत्र योग

पुत्रस्थानपतौ तु वा नवमपे पुंवर्गे पुरुषग्रहेक्षितयुते जातस्तु पुत्राधिकः।
॥ जातकपारिजात ॥ अ. 13/श्लो.-9 ।

यदि जन्मपत्रिका में पंचमेश अथवा नवमेश पुरुष ग्रह के वर्ग में हो तथा पुरुष ग्रह से दृष्टिगत या युत हो तो बहुपुत्र योग बनता है।

योग कारक ग्रह : मंगल, गुरु, शनि

योग की संभावना : 4 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपको अनेक पुत्रों का सुख प्राप्त होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

एक पुत्र योग

॥ भारतीय ज्योतिष ॥ पृ.- 295 ॥

यदि जन्मपत्रिका में पंचम स्थान में राहु या केतु स्थित हो तो एक पुत्र योग बनता है।

योग कारक ग्रह : राहु

योग की संभावना : 6 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपको एक पुत्र का सुख प्राप्त होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

विना पीड़ा मृत्यु योग

सौम्यांशके सौम्यगृहेऽथ सौम्य सम्बन्धगे वा क्षयेशे।
अक्लेशजातं मरणं नराणाम्॥

॥ फलदीपिका-अ.14/श्लो.-21 ॥

यदि जन्मकुंडली में द्वादशेश सौम्यग्रह की राशि या सौम्य ग्रह के नवांश या सौम्य ग्रह के साथ स्थित हो तो विना पीड़ा की मृत्यु होती है।

योग कारक ग्रह : बुध

योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपका मरण बिना क्लेश का होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

5

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

विना पीड़ा मृत्यु योग

सौम्यगृहेऽथ सौम्य सम्बन्धगे क्षयमे क्षयेशे ।
अक्लेशजातं मरणं नराणाम् ॥

॥ फलदीपिका—अ.14 / श्लो.—21 ॥

यदि जन्मपत्रिका में द्वादश भाव में सौम्य ग्रह स्थित हो और द्वादश भाव का स्वामी भी सौम्य ग्रह हो तो मृत्यु काल में विशेष पीड़ा नहीं होती है।

योग कारक ग्रह : बुध

योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्णरूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपको मृत्युकाल में अधिक पीड़ा नहीं होगी। ऐसा प्रतीत होता है।

पुनर्जन्म योग

महीजोमहीं सम्प्रापयेत्प्राणिनः
सम्बन्धादव्ययनायकस्य कथयेत्तत्रान्त्यराश्यंशतः ।

॥ फलदीपिका—अ.14 / श्लो.—23 ॥

यदि जन्मपत्रिका में द्वादश भाव में मंगल हो या द्वादश भाव जिस ग्रह की नवांश में हो यदि उस नवांश में मंगल स्थित हो अथवा द्वादश भाव से संबंध स्थापित करता हो तो जातक मरणोपरांत शीघ्र जन्म लेकर पृथ्वी पर आता है।

योग कारक ग्रह : मंगल, बुध

योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप मरणोपरांत पुनर्जन्म लेकर पृथ्वी पर आएँगे। ऐसा प्रतीत होता है।

वैकुण्ठवास योग

वैकुण्ठं शशिजो सम्प्रापयेत्प्राणिनः
सम्बन्धादव्ययनायकस्य कथयेत्तत्रान्त्यराश्यंशतः ।

॥ फलदीपिका—अ.14 / श्लो.—23 ॥

यदि जन्मपत्रिका के द्वादश भाव में बुध स्थित हो या द्वादश भाव जिस ग्रह की नवांश में हो यदि उस नवांश में बुध हो अथवा द्वादश भाव के स्वामी बुध से कोई संबंध स्थापित करता हो तो मरणोपरांत वैकुण्ठवासी होता है।

योग कारक ग्रह : बुध

योग की संभावना : 2 में 1

Kumari Vijeta

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप मरणोपरांत वैकुण्ठवासी होंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

मरणोपरांत ब्रह्मलोकवासी योग

सद्ब्रह्मलोकं गुरुः सम्प्रापयेत्प्राणिनः
सम्बन्धाद्व्ययनायकस्य कथयेत्तत्रान्त्यराश्यंशतः ।

॥ फलदीपिका—अ.14 / श्लो.—23 ॥

यदि जन्मपत्रिका में द्वादश भाव में गुरु स्थित हो या द्वादश भाव जिस ग्रह की नवांश में हो यदि उस नवांश में गुरु हो या द्वादशेश गुरु से संबंध स्थापित करता हो तो मरणोपरांत ब्रह्मलोक में निवास करता है।

योग कारक ग्रह : गुरु

योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मकुण्डली में यह योग पूर्णरूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप मरणोपरांत ब्रह्मलोक में निवास करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

बहुभार्या योग

कूटुम्बकलत्रनाथाभ्यां समेतैर्ग्रहनायकैर्वा कलत्रसंख्यां प्रवदन्ति सन्तः ।
॥ सर्वार्थचिन्तामणि ॥ अ.—6 / श्लो.—14 ॥

यदि जन्मकुण्डली में द्वितीयेश या सप्तमेश के साथ जितने ग्रह हों उतनी पत्नी होती हैं।

योग कारक ग्रह : बुध, मंगल

योग की संभावना : 12 में 1

आपकी जन्मकुण्डली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपके दो या दो से अधिक जीवनसाथी हो सकते हैं। ऐसा प्रतीत होता है।

सुलक्षणी स्त्री योग

दारेशे शुभसंयुक्ते शुभखेचरवीक्षिते ।
शुभग्रहाणां मध्यस्थे सत्कलत्रादिभाग्भवेत् ॥

॥ सर्वार्थचिन्तामणि ॥ अ.—6 / श्लो.—40

यदि जन्मपत्रिका में सप्तमेश शुभ ग्रह से युक्त, शुभ ग्रह से दृष्ट तथा शुभ ग्रहों के मध्य में हो तो जातक को सुलक्षणी स्त्री प्राप्त होती है।

योग कारक ग्रह : मंगल, चंद्र, बुध

योग की संभावना : 2 में 1

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

7

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

Kumari Vijeta

आपकी जन्मकुण्डली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपका जीवनसाथी सुलक्षणी होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

द्विभार्या योग

लग्नेशेंगे द्विभार्यो जारो वा ॥

॥ बृहद्योग रत्नाकर ॥ पृ. 303 ॥

यदि जन्मपत्रिका में लग्नेश लग्नस्थ हो तो द्वि भार्या योग होकर जार (व्यभिचारी) रहता है।

योग कारक ग्रह : शुक्र

योग की संभावना : 12 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपके दो विवाह हो, ऐसा प्रतीत होता है।

द्विभार्या योग

रन्ध्रेशेंगे अस्ते द्विभार्यः ॥

॥ बृहद्योग रत्नाकर ॥ पृ. 302 ॥

यदि जन्मपत्रिका में अष्टमेश लग्न में अथवा सप्तमभाव में स्थित हो तो द्विभार्या योग बनता है।

योग कारक ग्रह : शुक्र

योग की संभावना : 6 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपके दो विवाह हो, ऐसा प्रतीत होता है।

धर्म के कारण धन व्यय योग

शुभेन कर्मनाथेन दृष्टे युक्ते व्ययेश्वरे ।

स्वोच्चाभिन्नस्ववर्गस्थ धर्ममूलाद्धनव्ययः ॥

॥ सर्वार्थचिन्तामणि ॥ अ.8/व्ययभाव-8

यदि जन्मपत्रिका में दशमेश शुभ ग्रह से व्ययेश दृष्ट युक्त हो तथा अपने उच्च, मित्र स्वराशिगतनवांशक में हो तो धर्म कार्य में धन का व्यय होता है।

योग कारक ग्रह : चंद्र, बुध

योग की संभावना : 18 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप धार्मिक

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

8

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

Kumari Vijeta

कार्य में धन व्यय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

देश विदेश यात्रा योग

व्ययेशे पापसंयुक्ते व्यये पापसमन्विते ।

पापग्रहेण संदृष्टे देशाद्देशान्तरं गतः ॥

॥ बृहत्पाराशरहोराशास्त्रम् ॥ अ.12/श

यदि जन्मकुंडली में व्ययेश पाप ग्रह से युक्त हो और व्यय भाव में पाप ग्रह हो तथा पाप ग्रह की दृष्टि व्यय भाव पर हो तो जातक देश विदेश में जाने वाला होता है।

योग कारक ग्रह : मंगल,शनि,बुध

योग की संभावना : 6 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप देश विदेश में भ्रमण करने वाले होंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

कुत्ता काटने का योग

भौमे बुधयुते जातः श्वदष्टो भवेत् ।

॥ जातकपारिजात ॥ अ.15/श्लो.-81॥

यदि जन्मपत्रिका में द्वादश भाव में मंगल के साथ बुध स्थित हो तो जातक के स्वप्न में कुत्ता काट खाता है। यह अशुभ योग है।

योग कारक ग्रह : मंगल,बुध

योग की संभावना : 144 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्णरूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपको स्वप्न में कुत्ता काट खाए ऐसा दिखाई देगा। जो अशुभ सूचक है।

गजकेसरी योग

“केन्द्रस्थिते देवगुरौ शशाङ्काद्योगस्तदाहुर्गजकेसरीति ।

दृष्टे सितार्येन्दुसुतैः शशाङ्के नीचास्तहीनैर्गजकेसरीस्यात् ॥”

॥ बृ. पा. होरा. —योगाध्याय—श्लो. 1 ॥

चन्द्रमा से केन्द्र में गुरु हो तो गजकेसरी योग होता है या चन्द्रमा नीच अस्तादि में न गये हुये शुक्र, गुरु और बुध से देखा जाता हो तो भी गजकेसरी योग होता है।

योग कारक ग्रह : चंद्र,गुरु

योग की संभावना : 3 में 1

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

9

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologytrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com

Kumari Vijeta

आपकी पत्रिका में गजकेसरी योग का सृजन हो रहा है। फलस्वरूप आप धनी, मेधावी, गुणी तथा राजप्रिय सम्मानित पुरुष होंगे।

पारिजात योग

“सपारिजातद्युचरः सुखानि ।”

॥ बृ. पा. होरा. —योगाध्याय—श्लो. 34 ॥

जिसकी पत्रिका के “पारिजात” भाग में ग्रह हों तो उसे सभी प्रकार के उत्तम सुख की प्राप्ति होती है।

योग कारक ग्रह : सूर्य, चंद्र, बुध, गुरु

योग की संभावना : 2 में 1

आपकी पत्रिका में ग्रह “पारिजात” वर्ग में स्थित है। फलस्वरूप आपको सभी प्रकार का उत्तम सुख प्राप्त होगा।

वेशि योग

“धनखेटैर्वेशी दिनेशात्”

॥ बृ. पा. होरा. —योगाध्याय—श्लो. 51 ॥

यदि जातक के जन्मकाल पत्रिका में सूर्य से द्वितीय भाव में कोई ग्रह स्थित हो, तो जातक पर वेशि योग का सृजन होगा।

योग कारक ग्रह : मंगल, बुध, सूर्य

योग की संभावना : 3 में 1

आपकी पत्रिका में पूर्णरूपेण “वेशि” योग का सृजन हो रहा है। फलस्वरूप आप दयावान, स्थूल शरीर वाले, चतुरवक्ता, आलस्य से युक्त एवं वक्र दृष्टि वाले प्राणी होंगे।

Acharya Anupam Jolly (Ramal, Vedic Astrologer & Vastu Expert)

3/18, Pradhan Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Rajasthan, India

10

Mobile: 9414044559, E-mail: anupamjolly@gmail.com, Youtube : <https://www.youtube.com/@RahasyaDhara>
www.astrologyrays.com, www.ramalaastrology.com, www.vaastuved.com, www.astrologynspiritualism.com